भौंरा

गुन–गुन–गुन भौंरा डोले,
फूल के कान म का बोले?
एती–ओती, चारो कोती,
रस पी के झोलिया झोले।
गुन–गुन–गुन भौंरा डोले।

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

चंदा मामा

चंदा मामा दुरिहा हे,
अकाश ओकर कुरिया हे
हमर इहाँ आवय नहीं,
अऊ हमला बलावय नहीं,
तभो ले ममा बढ़िया हे,
लगथे छत्तीसगढ़िया हे।

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

फुग्गा

लाली पिंयर फुग्गा,
करिया हरियर फुग्गा।
सुघ्घर सुघ्घर फुग्गा,
नान्हे जब्बर फुग्गा।
बबा ह लानिस फुग्गा,
नानू ल दीस फुग्गा,
दादू लूटिस फुग्गा,
फट ले फुट गिस फुग्गा।

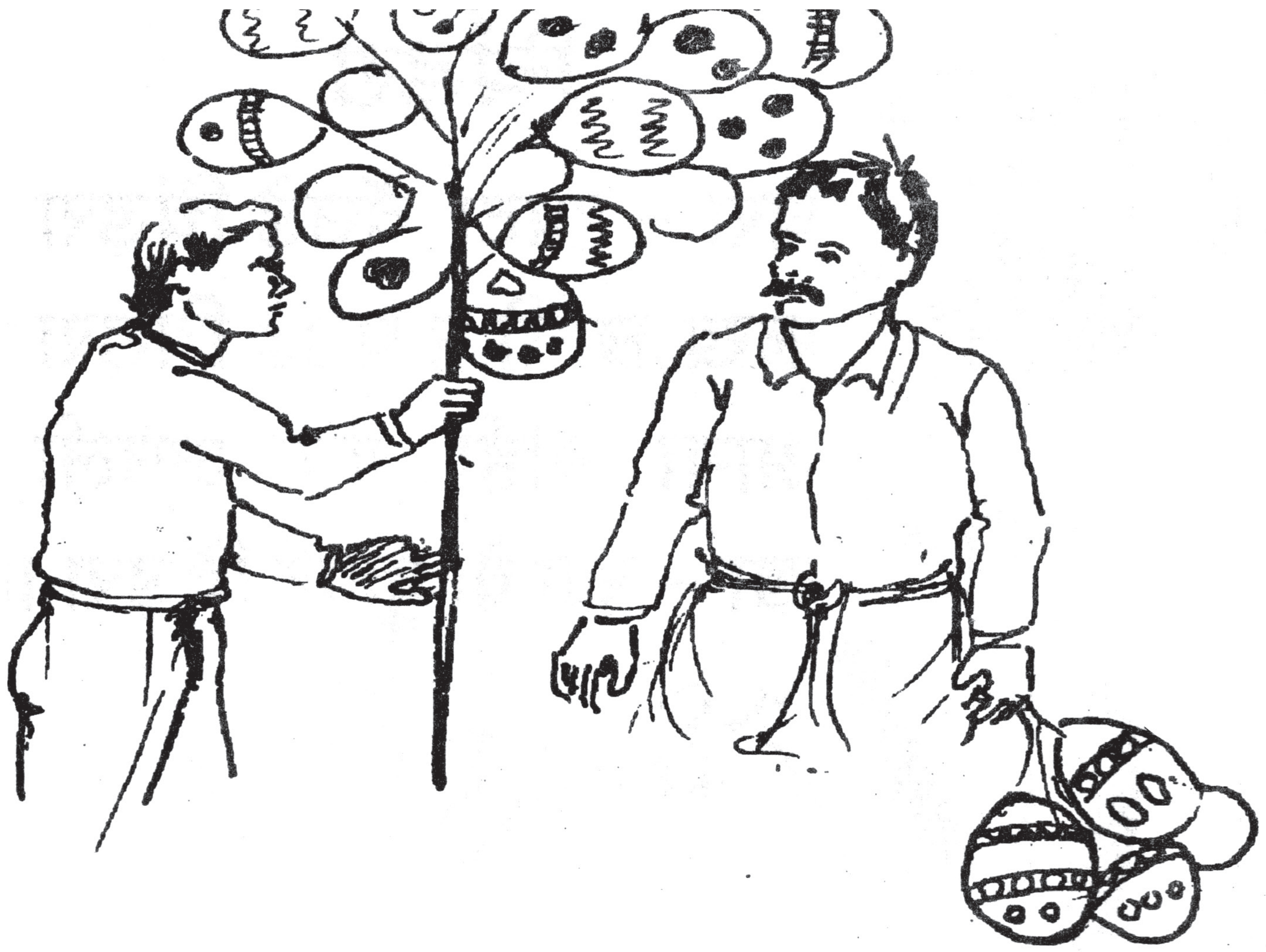

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

केकरा

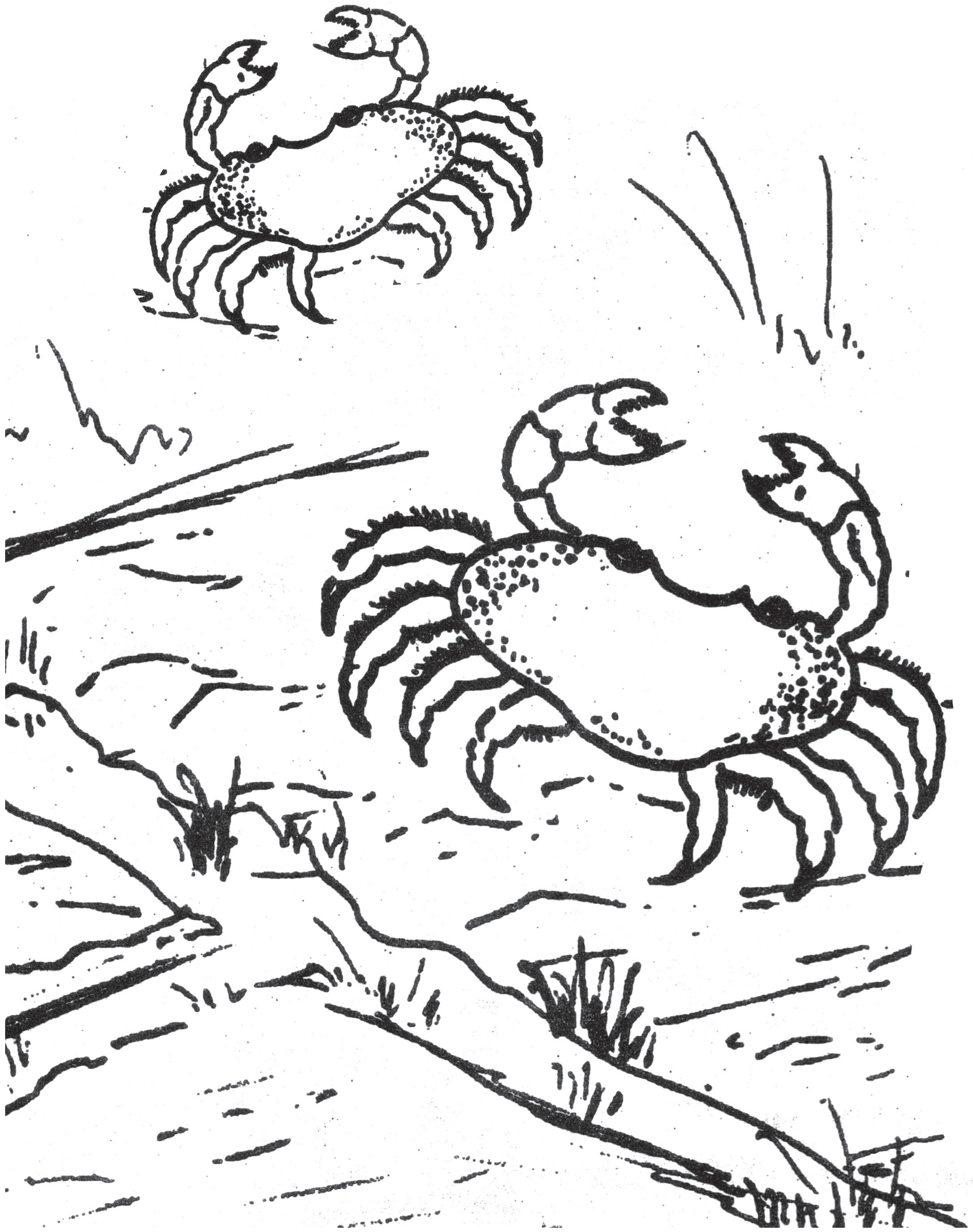

केकरा दिखे हाड़ा–हाड़ा,
जबर–जबर एखर डाढा।
जेती पावय तेती जावय,
पानी बिला एखर माड़ा।

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

कोइली

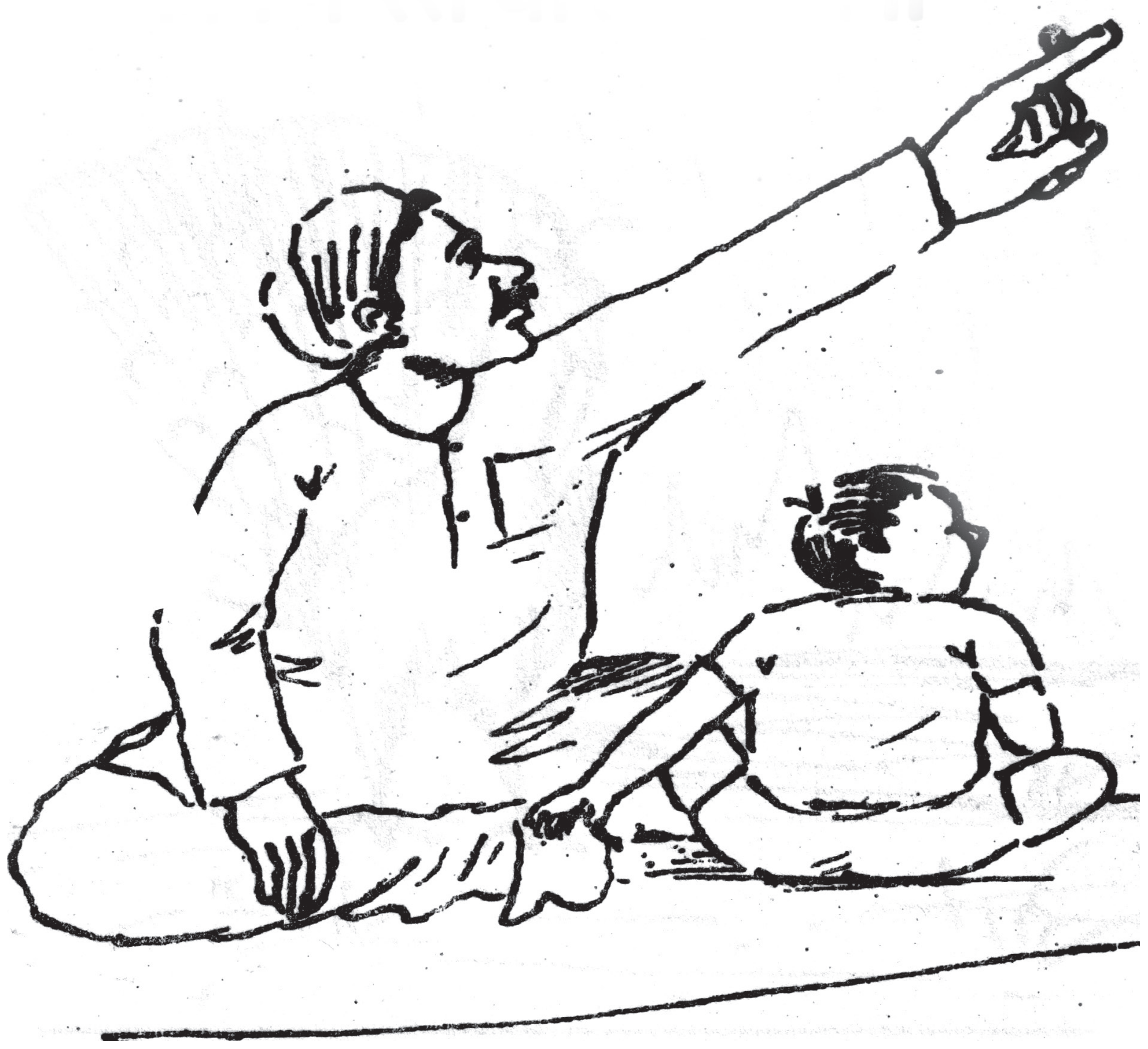

कुहु–कुहु कुहके कोइली,
गुरतुर भाखा बोले कोइली।
मीठा बोल के मान पावय,
कान म रस घोर कोइली।

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

मेचका

बादर गजरे नारियाय मेचका,
पानी बरसे नहाय मेचका।
नंदिया–तरिया डबरा म,
तिहार कस मनाए मेचका।

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

पानी बरसे

गड़गड़–गड़गड़ बादर गरजे,
तिरि–रिरि बिजली लउके।
रदरद– रदरद पानी बरसे,
धरती – दाई के मन हरसे।
रुख–राई अऊ डारा–पाना,
झूमर–झूम गावयं गाना।
मेचका टेटका, चिरई चिरगुन,
नाचयं–कूदयं हो के बिधुन।।

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

फूल

रकम–रकम के फूले फूल,
रंग–बिरंग के झूले झूल।
ममहावय जग महकावय,
हवा झुलावय झूलना झूल।

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

तितली

सुघ्घर सुघ्घर निक तितली,
पकड़ावय नहीं ढीठ तितली।
फूल–फूल म बईठ–बईठ के,
रस चुहके मीठ तितली।

कविताः डॉ. पीसीलाल यादव
चित्रांकनः नरेश निषाद

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें